रविवार 7 जुलाई, 2019

विषय — परमेश्वर

स्वर्ण पाठः भजन संहिता 18 : 32

"यह वही ईश्वर है, जो सामर्थ से मेरा कटिबन्ध बान्धता है, और मेरे मार्ग को सिद्ध करता है।"

उत्तरदायी अध्ययन: **भजन संहिता 62 : 1, 2, 7, 8, 11, 12**

1 सचमुच मैं चुपचाप होकर परमेरश्वर की ओर मन लगाए हूं; मेरा उद्धार उसी से होता है।
2 सचमुच वही, मेरी चट्टान और मेरा उद्धार है, वह मेरा गढ़ है; मैं बहुत न डिगूंगा॥
7 मेरा उद्धार और मेरी महिमा का आधार परमेश्वर है; मेरी दृढ़ चट्टान, और मेरा शरणस्थान परमेश्वर है।
8 हे लोगो, हर समय उस पर भरोसा रखो; उससे अपने अपने मन की बातें खोलकर कहो; परमेश्वर हमारा शरणस्थान है।
11 परमेश्वर ने एक बार कहा है; और दो बार मैं ने यह सुना है: कि सामर्थ्य परमेश्वर का है।
12 और हे प्रभु, करूणा भी तेरी है। क्योंकि तू एक एक जन को उसके काम के अनुसार फल देता है॥

पाठ उपदेश

बाइबल

1. **उत्पत्ति 21 : 22 (परमेश्वर)**

22 जो कुछ तू करता है उस में परमेश्वर तेरे संग रहता है।

2. **निर्गमन 12 : 43 (*से 1st* :), 51**

43 फिर यहोवा ने मूसा और हारून से कहा, पर्ब्ब की विधि यह है;

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिप्चरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एड्डी ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।

51 और ठीक उसी दिन यहोवा इस्राएलियों को मिस्र देश से दल दल करके निकाल ले गया॥

3. निर्गमन 13: 3 (*से* :)

3 फिर मूसा ने लोगों से कहा, इस दिन को स्मरण रखो, जिस में तुम लोग दासत्व के घर, अर्थात मिस्र से निकल आए हो; यहोवा तो तुम को वहां से अपने हाथ के बल से निकाल लाया; इस में खमीरी रोटी न खाई जाए।

4. भजन संहिता 78 : 1, 4-7, 12-16, 24, 25

1 हे मेरे लोगों, मेरी शिक्षा सुनो; मेरे वचनों की ओर कान लगाओ!
4 उन्हे हम उनकी सन्तान से गुप्त न रखेंगें, परन्तु होनहार पीढ़ी के लोगों से, यहोवा का गुणानुवाद और उसकी सामर्थ और आश्चर्यकर्मों का वर्णन करेंगें॥
5 उसने तो याकूब में एक चितौनी ठहराई, और इस्त्राएल में एक व्यवस्था चलाई, जिसके विषय उसने हमारे पितरों को आज्ञा दी, कि तुम इन्हे अपने अपने लड़के बालों को बताना;
6 कि आने वाली पीढ़ी के लोग, अर्थात जो लड़के बाले उत्पन्न होने वाले हैं, वे इन्हे जानें; और अपने अपने लड़के बालों से इनका बखान करने में उद्यत हों, जिस से वे परमेश्वर का आसरा रखें,
7 और ईश्वर के बड़े कामों को भूल न जाएं, परन्तु उसकी आज्ञाओं का पालन करते रहें;
12 उसने तो उनके बाप दादों के सम्मुख मिस्त्र देश के सोअन के मैदान में अद्भुत कर्म किए थे।
13 उसने समुद्र को दो भाग करके उन्हे पार कर दिया, और जल को ढ़ेर की नाईं खड़ा कर दिया।
14 और उसने दिन को बादल के खम्भों से और रात भर अग्नि के प्रकाश के द्धारा उनकी अगुवाई की।
15 वह जंगल में चट्टानें फाड़कर, उन को मानो गहिरे जलाशयों से मनमाने पिलाता था।
16 उसने चट्टान से भी धाराएं निकालीं और नदियों का सा जल बहाया॥
24 और उनके लिये खाने को मन्ना बरसाया, और उन्हे स्वर्ग का अन्न दिया।
25 उन को शूरवीरों की सी रोटी मिली; उसने उन को मनमाना भोजन दिया।

5. II शमूएल 22 : 7 (*से 2nd* ,), 20, 29-31

7 अपने संकट में मैं ने यहोवा को पुकारा; और अपने परमेश्वर के सम्मुख चिल्लाया। और उसने मेरी बात को अपने मन्दिर में से सुन लिया, और मेरी दोहाई उसके कानों में पहुंची।
20 और उसने मुझे निकाल कर चौड़े स्थान में पहुंचाया; उसने मुझ को छुड़ाया, क्योंकि वह मुझ से प्रसन्न था।
29 हे यहोवा, तू ही मेरा दीपक है, और यहोवा मेरे अन्धियारे को दूर करके उजियाला कर देता है।
30 तेरी सहायता से मैं दल पर धावा करता, अपने परमेश्वर की सहायता से मैं शहरपनाह को फांद जाता हूँ।
31 ईश्वर की गति खरी है; यहोवा का वचन ताया हुआ है; वह अपने सब शरणागतों की ढाल है।

6. मत्ती 4 : 23

23 और यीशु सारे गलील में फिरता हुआ उन की सभाओं में उपदेश करता और राज्य का सुसमाचार प्रचार करता, और लोगों की हर प्रकार की बीमारी और दुर्बल्ता को दूर करता रहा।

7. मत्ती 12 : 22-28

22 तब लोग एक अन्धे-गूंगे को जिस में दुष्टात्मा थी, उसके पास लाए; और उस ने उसे अच्छा किया; और वह गूंगा बोलने और देखने लगा।
23 इस पर सब लोग चकित होकर कहने लगे, यह क्या दाऊद की सन्तान का है?
24 परन्तु फरीसियों ने यह सुनकर कहा, यह तो दुष्टात्माओं के सरदार शैतान की सहायता के बिना दुष्टात्माओं को नहीं निकालता।
25 उस ने उन के मन की बात जानकर उन से कहा; जिस किसी राज्य में फूट होती है, वह उजड़ जाता है, और कोई नगर या घराना जिस में फूट होती है, बना न रहेगा।
26 और यदि शैतान ही शैतान को निकाले, तो वह अपना ही विरोधी हो गया है; फिर उसका राज्य क्योंकर बना रहेगा?
27 भला, यदि मैं शैतान की सहायता से दुष्टात्माओं को निकालता हूं, तो तुम्हारे वंश किस की सहायता से निकालते हैं? इसलिये वे ही तुम्हारा न्याय चुकाएंगे।
28 पर यदि मैं परमेश्वर के आत्मा की सहायता से दुष्टात्माओं को निकालता हूं, तो परमेश्वर का राज्य तुम्हारे पास आ पहुंचा है।

8. लूका 11 : 1-4, 9-12, 13 (कितना)

1 फिर वह किसी जगह प्रार्थना कर रहा था: और जब वह प्रार्थना कर चुका, तो उसके चेलों में से एक ने उस से कहा; हे प्रभु, जैसे यूहन्ना ने अपने चेलों को प्रार्थना करना सिखलाया वैसे ही हमें भी तू सिखा दे।
2 उस ने उन से कहा; जब तुम प्रार्थना करो, तो कहो; हे पिता, तेरा नाम पवित्र माना जाए, तेरा राज्य आए।
3 हमारी दिन भर की रोटी हर दिन हमें दिया कर।
4 और हमारे पापों को क्षमा कर, क्योंकि हम भी अपने हर एक अपराधी को क्षमा करते हैं, और हमें परीक्षा में न ला॥
9 और मैं तुम से कहता हूं; कि मांगो, तो तुम्हें दिया जाएगा; ढूंढ़ों तो तुम पाओगे; खटखटाओ, तो तुम्हारे लिये खोला जाएगा।
10 क्योंकि जो कोई मांगता है, उसे मिलता है; और जो ढूंढ़ता है, वह पाता है; और जो खटखटाता है, उसके लिये खोला जाएगा।
11 तुम में से ऐसा कौन पिता होगा, कि जब उसका पुत्र रोटी मांगे, तो उसे पत्थर दे: या मछली मांगे, तो मछली के बदले उसे सांप दे?
12 या अण्डा मांगे तो उसे बिच्छू दे?
13 … तो स्वर्गीय पिता अपने मांगने वालों को पवित्र आत्मा क्यों न देगा॥

9. रोमियो 8 : 28, 31, 35, 37-39 (*से 4th* ,)

28 और हम जानते हैं, कि जो लोग परमेश्वर से प्रेम रखते हैं, उन के लिये सब बातें मिलकर भलाई ही को उत्पन्न करती है; अर्थात उन्हीं के लिये जो उस की इच्छा के अनुसार बुलाए हुए हैं।
31 सो हम इन बातों के विषय में क्या कहें? यदि परमेश्वर हमारी ओर है, तो हमारा विरोधी कौन हो सकता है?
35 कौन हम को मसीह के प्रेम से अलग करेगा? क्या क्लेश, या संकट, या उपद्रव, या अकाल, या नंगाई, या जोखिम, या तलवार?
37 परन्तु इन सब बातों में हम उसके द्वारा जिस ने हम से प्रेम किया है, जयवन्त से भी बढ़कर हैं।
38 क्योंकि मैं निश्चय जानता हूं, कि न मृत्यु, न जीवन, न स्वर्गदूत, न प्रधानताएं, न वर्तमान, न भविष्य, न सामर्थ,
न ऊंचाई,
39 न गहिराई और न कोई और सृष्टि, हमें परमेश्वर के प्रेम से, जो हमारे प्रभु मसीह यीशु में है, अलग कर सकेगी॥

विज्ञान और स्वास्थ्य

1. 330 : 11 (परमेश्वर)-12

ईश्वर अनंत है, एकमात्र जीवन, पदार्थ, आत्मा या आत्मा, ब्रह्मांड की एकमात्र बुद्धि, जिसमें मनुष्य भी शामिल है।

2. 336 : 25 (परमेश्वर)-26, 30-31

भगवान, मनुष्य का दिव्य सिद्धांत, और भगवान की समानता में आदमी अविभाज्य, सामंजस्यपूर्ण और शाश्वत हैं। ... ईश्वर माता-पिता का मन है, और मनुष्य ईश्वर की आध्यात्मिक संतान है।

3. 332 : 4 (पिता)-8

पिता-माता देवता का नाम है, जो उनकी आध्यात्मिक रचना के उनके कोमल संबंधों को इंगित करता है। जैसा कि प्रेरित ने इसे उन शब्दों में व्यक्त किया है जो उसने एक क्लासिक कवि से मंजूर होने के साथ उद्धृत किए थे: "क्योंकि हम भी उसकी संतान हैं।"

4. 494 : 10-14

ईश्वरीय प्रेम हमेशा से मिला है और हमेशा हर मानवीय आवश्यकता को पूरा करेगा। यह कल्पना करना ठीक नहीं है कि यीशु ने दिव्य शक्ति का चयन केवल संख्या के लिए या सीमित समय के लिए ठीक करने के लिए किया, क्योंकि सभी मानव जाति के लिए और सभी समयों में, दिव्य प्रेम सभी अच्छे की आपूर्ति करता है।

5. 139: 4-9

शुरुआत से लेकर अंत तक, पवित्रशास्त्र आत्मा, मन की बात की विजय से भरपूर है। मूसा ने मन की शक्ति को उसके द्वारा सिद्ध किया, जिसे पुरुषों ने चमत्कार कहा; तब यहोशू, एलिय्याह और एलीशा ने किया। संकेत और चमत्कार के साथ ईसाई युग की शुरुआत हुई।

6. 134: 31-8

एक चमत्कार भगवान के कानून को पूरा करता है, लेकिन उस कानून का उल्लंघन नहीं करता है। वर्तमान में यह तथ्य चमत्कार से अधिक रहस्यमय प्रतीत होता है। भजनहार ने गाया: " हे समुद्र, तुझे क्या हुआ, कि तू भागा? और हे यर्दन तुझे क्या हुआ, कि तू उलटी बही? हे पहाड़ों तुम्हें क्या हुआ, कि तुम भेड़ों की नाईं, और हे पहाड़ियों तुम्हें क्या हुआ, कि तुम भेड़- बकरियों के बच्चों की नाईं उछलीं? हे पृथ्वी प्रभु के साम्हने, हां याकूब के परमेश्वर के साम्हने थरथरा।" चमत्कार किसी भी विकार का परिचय नहीं देता है, लेकिन भगवान के अपरिवर्तनीय कानून के विज्ञान की स्थापना करते हुए, मौलिक आदेश को प्रकट करता है।

7. 135: 11-20

वही शक्ति जो पाप को ठीक करती है, बीमारी को भी ठीक करती है। यह "पवित्रता की सुंदरता" है, कि जब सत्य बीमारों को चंगा करता है, तो यह बुराइयों को बाहर निकालता है, और जब सत्य बुराई नामक बीमारी को बाहर निकालता है, तो यह बीमारों को ठीक करता है। जब मसीह ने गूंगेपन के शैतान को बाहर निकाला, "यह तब हुआ, जब शैतान बाहर चला गया था, गूंगा बोला।" इस्राएल के पवित्र व्यक्ति को सीमित करने और पूछने के द्वारा यहूदियों के अपराध को दोहराने का खतरा है: " क्या परमेश्वर जंगल में एक मेज प्रस्तुत कर सकता है?" भगवान क्या नहीं कर सकता?

8. 371: 27-32

दौड़ को बढ़ाने के लिए आवश्यकता इस तथ्य के लिए पिता है कि माइंड यह कर सकता है; क्योंकि मन अशुद्धता के बजाय पवित्रता प्रदान कर सकता है, कमजोरी के बजाय ताकत और बीमारी के बजाय स्वास्थ्य। सत्य संपूर्ण व्यवस्था में परिवर्तनकारी है, और इसके “हर तिनका को पूरा” कर सकते हैं।

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिप्चरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एड्डी ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।

9. 62: 22-24 (से;)

दिव्य मन, जो कली और फूल बनाता है, मानव शरीर की देखभाल करेगा, यहां तक कि यह लिली को कपड़े देगा;

10. 393: 8-15

मन शारीरिक इंद्रियों का स्वामी है, और बीमारी, पाप और मृत्यु को जीत सकता है। इस ईश्वर प्रदत्त अधिकार का प्रयोग करें। अपने शरीर पर अधिकार कर लो, और उसकी भावना और कार्य को नियंत्रित करो। आत्मा के सामर्थ्य में वृद्धि का विरोध करना अच्छा है। ईश्वर ने मनुष्य को इसके लिए सक्षम बनाया है, और कुछ भी मनुष्य में दिव्य रूप से दी गई क्षमता और शक्ति को नष्ट नहीं कर सकता है।

11. 1: 1-4, 10-14

पापी को सुधारने और बीमार को ठीक करने वाली प्रार्थना एक पूर्ण विश्वास है कि भगवान के लिए सभी चीजें संभव हैं, - एक आध्यात्मिक समझ, एक निःस्वार्थ प्रेम।

विचार अनिर्दिष्ट दिव्य मन के लिए अज्ञात नहीं हैं। इच्छा प्रार्थना है; और हमारी इच्छाओं के साथ भगवान पर भरोसा करने से कोई नुकसान नहीं हो सकता है, कि उन्हें शब्दों में और कर्मों में रूप लेने से पहले ढाला और बढ़ाया जा सकता है।

12. 2: 15-2

प्रार्थना विज्ञान के होने को नहीं बदल सकती है, लेकिन यह हमें इसके साथ सामंजस्य बिठाती है। अच्छाई सत्य के प्रदर्शन को प्राप्त करती है। एक निवेदन कि ईश्वर हमें बचाए, वह सब नहीं है जिसकी आवश्यकता है। दिव्य मन के साथ विनती करने की एक मात्र आदत, जैसा कि एक मनुष्य के साथ निवेदन करता है, ईश्वर में विश्वास को मानवीय रूप से प्रसारित करता है, - एक त्रुटि जो आध्यात्मिक विकास को बाधित करती है।

भगवान प्यार है। क्या हम उसे और अधिक होने के लिए कह सकते हैं? ईश्वर बुद्धि है। क्या हम उस अनंत मन को सूचित कर सकते हैं जो वह पहले से ही समझ नहीं पाया है? क्या हम पूर्णता को बदलने की उम्मीद करते हैं? क्या हम खुले फव्वारे में और अधिक की याचना करेंगे, जिसे हम स्वीकार करने की तुलना में अधिक डाल रहे हैं? अनिच्छुक इच्छा हमें सभी अस्तित्व और आशीर्वाद के स्रोत के करीब लाती है।

भगवान को भगवान कहना व्यर्थ की पुनरावृत्ति है। भगवान "कल वही है, और आज है, और हमेशा के लिए;" और वह जो पूरी तरह से सही है, वह अपने प्रांत की याद किए बिना सही करेगा।

13. 16 : 20-15

जैसे ही हम सभी भौतिक संवेदना और पाप से ऊपर उठते हैं, क्या हम स्वर्ग में जन्मी आकांक्षा और आध्यात्मिक चेतना तक पहुंच सकते हैं, जो कि प्रभु की प्रार्थना में इंगित किया गया है और जो तुरंत बीमार को ठीक करता है।

यहाँ मुझे यह बताने दें कि मैं प्रभु की प्रार्थना का आध्यात्मिक अर्थ क्या समझता हूँ:

हमारे परमपिता जो स्वर्ग में विराजते हैं,
हमारे पिता-माता भगवान, सभी सामंजस्यपूर्ण,

पवित्र हो तेरा नाम।
मनमोहक

तुम्हारा राज्य आओ।
तेरा राज्य आ गया; तू हमेशा मौजूद है।

तुम्हारी इच्छा पृथ्वी में हो, जैसा कि स्वर्ग में है।
जैसा कि स्वर्ग में पृथ्वी पर भी है, हमें यह जानने में सक्षम करें, कि ईश्वर सर्वशक्तिमान है, सर्वोच्च है।

हमें इस दिन की हमारी रोटी दो;
आज के लिए हमें अनुग्रह दें; कृपया प्रसिद्द स्नेह खिलाएँ;

और हमें हमारे कर्ज माफ कर दो, क्योंकि हम अपने कर्जदारों को माफ करते हैं।
और प्यार प्यार में परिलक्षित होता है;

और हमें प्रलोभन में न ले जाएँ, बल्कि हमें बुराई से बचाएं;
और परमेश्वर हमें प्रलोभन में नहीं ले जाता है, बल्कि हमें पाप, बीमारी और मृत्यु से बचाता है।

क्योंकि राज्य, शक्ति और महिमा सदा के लिए तुम्हारी है।
क्योंकि परमेश्वर अनंत है, सर्व-शक्ति है, सभी जीवन, सत्य, प्रेम, सभी पर शासक है, और सभी में है।

दैनिक कर्तव्यों

मैरी बेकर एड्डी द्वारा

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिप्चरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एड्डी ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।

दैनिक प्रार्थना

प्रत्येक दिन प्रार्थना करने के लिए इस चर्च के प्रत्येक सदस्य का कर्तव्य होगा: "तुम्हारा राज्य आओ;" ईश्वरीय सत्य, जीवन और प्रेम के शासन को मुझमें स्थापित करो, और मुझ पर शासन करो; और तेरा वचन सभी मनुष्यों के स्नेह को समृद्ध कर सकता है, और उन पर शासन करो!

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 4

उद्देश्यों और कृत्यों के लिए एक नियम

न तो दुश्मनी और न ही व्यक्तिगत लगाव मदर चर्च के सदस्यों के उद्देश्यों या कृत्यों को लागू करना चाहिए। विज्ञान में, दिव्य प्रेम ही मनुष्य को नियंत्रित करता है; और एक क्रिश्चियन साइंटिस्ट प्यार की मीठी सुविधाओं को दर्शाता है, पाप में डांटने पर, सच्चा भाईचारा, परोपकार और क्षमा में। इस चर्च के सदस्यों को प्रतिदिन ध्यान रखना चाहिए और प्रार्थना को सभी बुराईयों से दूर करने, भविष्यद्वाणी, न्याय करने, निंदा करने, परामर्श देने, प्रभावित करने या गलत तरीके से प्रभावित होने से बचाने के लिए प्रार्थना करनी चाहिए।

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 1

कर्तव्य के प्रति सतर्कता

इस चर्च के प्रत्येक सदस्य का यह कर्तव्य होगा कि वह प्रतिदिन आक्रामक मानसिक सुझाव से बचाव करे, और भूलकर भी ईश्वर के प्रति अपने कर्तव्य की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए, अपने नेता और मानव जाति के लिए। उनके कामों से उन्हें आंका जाएगा, — और वह उचित या निंदनीय होगा।

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 6

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिप्चरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एड्डी ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।